



# KHAN GLOBAL STUDIES

KGS Campus, Sai Mandir, Musallahpur Hatt, Patna - 6

Mob : 8877918018, 875735880

## BPSC MAINS

BY.- Ajit Sir

### बिहार का पर्यटन क्षेत्र

3000 साल लंबे इतिहास के साथ, पूर्वी भारत में बिहार दुनिया के सबसे पुराने शहरों में से एक है। बिहार राज्य में फैले विभिन्न ऐतिहासिक स्मारक राज्य की समृद्ध संस्कृति और विरासत के प्रमाण हैं। पर्यटन देश की जीडीपी में योगदान देने वाले सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है। अगले दस वर्षों में, भारत का यात्रा और पर्यटन उद्योग 7.8% की औसत वार्षिक दर से बढ़ने की उम्मीद है, जो देश की 6.7% की समग्र आर्थिक विकास दर को पीछे छोड़ते हुए अंततः 7% हो जाएगी।

#### बिहार में पर्यटन

दुनिया भर से बड़ी संख्या में पर्यटक बिहार के कई पर्यटक आकर्षणों को देखने के लिए आते हैं। हर साल दुनिया भर से 60 लाख पर्यटक बिहार आते हैं। बिहार के पर्यटन क्षेत्र का उल्लेख इतिहास में भी मिलता है। चंद्रगुप्त मौर्य के शासनकाल के दौरान, मेगस्थनीज (ई.पू. 350-290) ने इस क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने इंडिका में अपने अवलोकनों को नोट किया। मेगस्थनीज के पुत्र डायोनिसियस ने अशोक के शासनकाल के दौरान पाटलिपुत्र की यात्रा की। सातवीं शताब्दी में, आई चिंग और ह्वेनसांग ने अध्ययन के लिए नालंदा की यात्रा की।

बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के गठन से पर्यटन में सुधार हुआ है। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के गठन से पर्यटन में सुधार हुआ है। इसका मुख्य उद्देश्य बिहार के सभी पर्यटक संसाधनों को व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य बनाना है। इसके तहत पर्यटक सूचना केंद्र, आतिथ्य

सेवाएं, विरासत होटल, वन्यजीव अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान जैसे विकास हुए हैं।

बिहार राज्य सभी प्रकार के पर्यटन, जैसे बौद्ध सर्किट (पर्यटन), सिख सर्किट, जैन पर्यटन आदि को पूरा करने के लिए विषयगत पर्यटन स्थल प्रदान करता है। नीचे दिए गए पैराग्राफ में प्रत्येक विषयगत पर्यटन स्थल पर विस्तार से चर्चा की गई है:

#### सिख पर्यटन सर्किट

10वें सिख गुरु, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज की जन्मस्थली के रूप में, बिहार सिखों के दिलों में एक विशेष स्थान रखता है। वह गुरु नानक के भक्तों को सफलतापूर्वक एकजुट करने वाले पहले व्यक्ति थे।

#### पटना साहिब

- सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 22 दिसंबर 1666 को पटना में हुआ था।
- वह नौवें सिख गुरु, गुरु तेग बहादुर के पुत्र थे।
- उनके जन्मस्थान पर, तख्त श्री हरमंदिर जी साहिब जिसे पटना साहिब भी कहा जाता है, एक शानदार गुरुद्वारा है।

#### गुरुद्वारा श्री हांडी साहिब

- गुरुद्वारा श्री हांडी साहिब एक लोकप्रिय सिख तीर्थस्थल दानापुर के पास स्थित है।
- बताया जाता है कि पंजाब जाते समय 10वें सिख गुरु, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी, अनुयायियों के एक बड़े समूह के साथ यहां

रुके थे। कहा जाता है कि स्थानीय लोगों ने गुरु साहिब और संगत का खुले दिल से स्वागत किया। यहां लंगर के रूप में खिचड़ी परोसने की परंपरा उस दिन से चली आ रही है जब एक बुजुर्ग महिला ने गुरु गोबिंद सिंह जी और संगत को खिचड़ी परोसी थी।

कोई भी व्यक्ति बिहार के सिख सर्किट का दौरा करके अन्य गुरुद्वारों और सिख तीर्थस्थलों की यात्रा कर सकता है जो सिख गुरु के जीवन की घटनाओं का सम्मान करते हैं। ये पूजा स्थल सिर्फ महत्वपूर्ण सिख तीर्थ स्थल नहीं हैं; वे बेहद लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी हैं।

### • जैन पर्यटन सर्किट

जैनियों के लिए, बिहार एक पवित्र स्थान है क्योंकि यह उनके अंतिम तीर्थंकर का जन्मस्थान था। बिहार के कुछ जैन तीर्थ स्थलों की यात्रा करके कोई भी व्यक्ति भगवान महावीर के जीवन और यात्रा के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकता है। उन्होंने अपनी भौतिक संपत्ति का त्याग कर दिया, कई वर्षों तक ध्यान किया और यहां आत्म-मुक्ति के लिए जैन जीवन शैली का प्रचार किया। इस सर्किट के साथ एक यात्रा अन्य जैन भिक्षुओं के सम्मान में कई अतिरिक्त पवित्र स्थलों की यात्रा की भी अनुमति देती है। कुछ महत्वपूर्ण स्थान

### • जैन मंदिर, कुंडलपुर:

- ❖ कुंडलपुर नालन्दा खंडहरों के निकट स्थित है।
- ❖ जैनियों के दिगंबर संप्रदाय का मानना है कि 24वें और अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म यहीं हुआ था।
- ❖ इस गांव में कई जैन मंदिर हैं।
- ❖ ऐतिहासिक शहर राजगीर से निकटता के कारण, यह स्थान एक लोकप्रिय तीर्थयात्रा और अवकाश स्थल है।

### • समोशरण मंदिर

- ❖ भगवान महावीर ने अपना अंतिम उपदेश यहीं दिया था

### • जल मंदिर

- ❖ यह कमल तालाब के बीच में एक शानदार संगमरमर का मंदिर है जो एक आयताकार मंच पर अद्भुत रूप से खड़ा है।
- ❖ यह भगवान महावीर के पार्थिव शरीर के दाह संस्कार के स्थान को निर्दिष्ट करता है।
- ❖ ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण भगवान महावीर के बड़े भाई राजा नंदीवर्धन ने किया था।
- ❖ सुंदर मंदिर का मुख्य देवता भगवान महावीर की एक बहुत पुरानी "चरण पादुका" है।

### • पावापुरी

- ❖ जैनियों का पवित्र स्थान पावापुरी या पावापुरी, जिसे अपापापुरी के नाम से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है "पाप रहित शहर", पूर्वी भारत में बिहार राज्य के नालंदा जिले में स्थित है।
- ❖ जल मंदिर, जैनियों का एक प्रसिद्ध और पवित्र तीर्थ स्थल पावापुरी में स्थित है।
- ❖ यह मंदिर 24वें तीर्थंकर (जैन धर्म के धार्मिक उपदेशक) महावीर को समर्पित है, जो उनके दाह संस्कार के स्थान को दर्शाता है।
- ❖ महावीर ने 527 ईसा पूर्व में पावापुरी में निर्वाण प्राप्त किया।

### • जैन मंदिर, वैशाली:

- ❖ यह भगवान महावीर जैन का जन्मस्थान है।
- ❖ 1874 में निर्मित, लछुआड़ में जैन मंदिर और धर्मशाला जैनियों द्वारा पूजनीय हैं।
- ❖ धर्मशाला के अंदर भगवान महावीर का एक मंदिर है। इस मंदिर की मूर्ति 2,600 साल से भी ज्यादा पुरानी है।

- ❖ काले पत्थर की इस मूर्ति का वजन लगभग 250 किलोग्राम है।

### बौद्ध पर्यटन सर्किट

भारत में बिहार राज्य बुद्ध के जीवन से सबसे अधिक निकटता से जुड़ा हुआ है, जो तीर्थयात्रा के मार्ग की ओर जाता है जिसे बौद्ध सर्किट के रूप में जाना जाता है। बिहार वह राज्य है जहां गौतम बुद्ध ने सबसे पहले मानवीय पीड़ा का समाधान खोजना शुरू किया और अंततः ज्ञान प्राप्त किया।

महाबोधि मंदिर वर्तमान में महाबोधि वृक्ष के नीचे बुद्ध के आध्यात्मिक ज्ञान के प्रसिद्ध स्थान पर स्थित है, और यह दुनिया भर से बौद्ध तीर्थयात्रियों और यात्रियों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य है। यूनेस्को ने इस मंदिर को विश्व धरोहर स्थल के रूप में भी नामित किया है। केंद्र सरकार ने 2016 में स्वदेश दर्शन योजना के तहत बौद्ध सर्किट परियोजना की भी घोषणा की।

बौद्ध मार्ग देश की राजधानी पटना से शुरू होता है, जहां एक उल्लेखनीय संग्रहालय में हिंदू और बौद्ध कलाकृतियों का एक प्रभावशाली संग्रह है और साथ ही एक टेराकोटा कलश भी है, जिसके बारे में माना जाता है कि इसमें भगवान बुद्ध की राख है। राज्य में बौद्ध सर्किट के प्रमुख स्थान नीचे दिये गये हैं:

#### • बोधगया:

- ❖ इसे पहले उरुवेला के नाम से जाना जाता था।
- ❖ बौद्धों के बीच यह सबसे महत्वपूर्ण तीर्थ स्थान है।
- ❖ बुद्ध को निरंजना नदी के तट पर ज्ञान प्राप्त हुआ था, और जिस वृक्ष ने उन्हें आश्रय देकर सुरक्षित रखा था उसे बोधि वृक्ष माना जाता है।
- ❖ यहां बैठे हुए बुद्ध की मुद्रा में एक बड़ी बुद्ध प्रतिमा स्थित है।

- ❖ यूनेस्को ने महाबोधि मंदिर को विश्व धरोहर स्थल के रूप में वर्गीकृत किया है।

#### • वैशाली:

- ❖ बुद्ध ने अपना अंतिम उपदेश यहीं दिया था।
- ❖ यहाँ राजा कालाशोक द्वारा द्वितीय बौद्ध संगीति बुलाई गई थी।

#### • पटना:

- ❖ यह मौर्य और गुप्त सहित कई महान राजवंशों की राजधानी के रूप में कार्य करता था।
- ❖ इसे पहले पाटलिपुत्र कहा जाता था।
- ❖ पाटलिपुत्र शहर का विकास उदयिन ने किया था।
- ❖ राजा अशोक ने 250 ईसा पूर्व में तीसरी बौद्ध परिषद बुलाई थी। यहाँ।
- ❖ पाटलिपुत्र किला अजातशत्रु द्वारा बनवाया गया था।

#### • केसरिया स्तूप:

- ❖ यह पूर्वी चंपारण के आधार से मापा गया भारत का सबसे ऊंचा स्तूप है।
- ❖ स्तूप बौद्ध काल के गौरवशाली अतीत का प्रतीक है। इसका आधार बहुभुजीय है और ऊपर से इसे बहुभुज आकार की ईंटों से ढका गया है।

#### • विक्रमशिला के खंडहर:

- ❖ पाल वंश के दौरान अध्ययन का केंद्र, ऐतिहासिक विक्रमशिला विश्वविद्यालय, भागलपुर से 38 किमी दूर कहलगांव उपखंड के अंतीचक में स्थित था। राजा धर्मपाल ने विश्वविद्यालय की स्थापना की।
- ❖ धर्मपाल को संस्था बनाने के लिए दो कारकों से प्रेरणा मिली।
- ❖ पहला बटेश्वर स्थान में चट्टानी पहाड़ी थी, जो न केवल एक प्रमुख तांत्रिक स्थान था, बल्कि

कोसी और गंगा नदियों के जंक्शन के आसपास स्थित एक सुरम्य विशेषता भी थी।

- ❖ दूसरा, यह स्थान तीर्थयात्रा के लिए एक स्थल था जिसने वर्षावर्धन के दौरान भारी संख्या में लोगों को आकर्षित किया क्योंकि यहां गंगा उत्तर वाहिनी (उत्तर की ओर बहने वाली) थी।

### सूफ़ी पर्यटन सर्किट

मध्ययुगीन काल में, पाटलिपुत्र (पटना) ने कई सूफ़ी संतों को आकर्षित किया, जिन्होंने बहुत ही मानवतावादी तरीके से शिक्षा दी, जिससे यह क्षेत्र सभी धर्मों के अनुयायियों के लिए तीर्थयात्रा का केंद्र बन गया।

### • बिहारशरीफ़:

- ❖ **बिहारशरीफ़ संग्रहालय:** पहला बिहार संग्रहालय 19वीं सदी के अंत में अलेक्जेंडर मेयरिक ब्रॉडली द्वारा यहां स्थापित किया गया था, जिससे यह बिहार का सबसे पुराना संग्रहालय बन गया और बिहार का एकमात्र सबसे पुराना संग्रहालय बन गया, बल्कि पूरे भारत में सबसे पुराने संग्रहालयों में से एक बन गया।
- ❖ गुप्त साम्राज्य के बिहार शरीफ़ स्तंभ शिलालेख बिहार (बिहार शरीफ़) के किले के उत्तरी द्वार के सामने पाए गए थे।
- ❖ स्तंभ को हटा दिया गया और बिहार कोर्ट हाउस के सामने एक ईंट की चौकी पर स्थापित किया गया, और फिर बाद में इसे पटना संग्रहालय में स्थानांतरित कर दिया गया।

### • बाबा मणिराम अखाड़ा:

- ❖ बाबा मणिराम अखाड़े में लंगोट मेला, जिसे राजा बिठूल ने युवाओं को लड़ना सिखाने के लिए बनवाया था, शहर में एक और महत्वपूर्ण स्थान है।

### • बड़ी पहाड़ी:

- ❖ सैयद इब्राहिम मल्लिक बया का मकबरा बड़ी पहाड़ी के ऊपर स्थित है, जिसे हिरण्य पर्वत के नाम से भी जाना जाता है, जिसमें एक बड़ा पार्क, एक मंदिर और अन्य इमारतें भी हैं।

### • बड़ी दरगाह:

- ❖ यह मकबरा 1569 में बनकर तैयार हुआ।
- ❖ सूफ़ी संत शेख मखदूम शरफुद्दीन अहमद याह्या मनेरी की दरगाह, ओदंतपुरी के खंडहरों के पास स्थित है।

### • फुलवारीशरीफ़:

- ❖ हजरत पीर मुजीबुल्लाह क़ादरी ने खानकाह मुजीबिया की स्थापना की।
- ❖ पैगम्बर हजरत मोहम्मद की दाढ़ी के पवित्र बाल यहां संरक्षित हैं।
- ❖ यहां स्थित संगी मस्जिद का निर्माण हुमायूं ने करवाया था।

### • मनेर शरीफ़:

- ❖ यह शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केंद्र भी था।
- ❖ छत पर कुरान के शिलालेख उकेरे गए हैं
- ❖ मनेर शरीफ़ दो प्रतिष्ठित मुस्लिम कब्रों का स्थल है:
- ❖ सूफ़ी संत मखदूम याह्या मनेरी को बारी दरगाह (महान तीर्थस्थल) के रूप में जाना जाता है।
- ❖ मखदूम शाह दौलत, जिसे छोटी दरगाह भी कहा जाता है।

### रामायण पर्यटन सर्किट

- ❖ एक धर्म के रूप में हिंदू धर्म के इतिहास और विकास में बिहार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- ❖ यह पौराणिक भूमि वह जगह है जहां भगवान राम और देवी सीता की अधिकांश कहानियां वाल्मिकी के महाकाव्य में घटित हुईं, जिन्होंने

हिंदू धार्मिक और सामाजिक ताने-बाने में योगदान दिया है।

- ❖ इस कथा में वर्णित कई स्थान बिहार में हैं और हिंदुओं के लिए पवित्र स्थल माने जाते हैं।
- ❖ राम और सीता की कहानियों को दर्शाने वाले मंदिर इस सर्किट में पाए जा सकते हैं।

#### • अहिल्या मंदिर:

- ❖ यह मंदिर गौतम ऋषि की पत्नी अहिल्या को समर्पित है।
- ❖ ऐसा माना जाता है कि उसके पति द्वारा उसे दिए गए श्राप के कारण वह पत्थर में बदल गई थी, और केवल भगवान राम की क्षेत्र में उपस्थिति ने ही उसे मुक्ति दिलाई।
- ❖ यह मंदिर पारंपरिक भारतीय वास्तुकला का एक शानदार उदाहरण है।
- ❖ कहा जाता है कि मंदिर के अंदर के सपाट पत्थर पर देवी सीता के पैरों के निशान हैं।
- ❖ इसे दरभंगा का सबसे ऐतिहासिक पूजा स्थल कहा जाता है।
- ❖ **मुंगेर में सीता कुंड:** ऐसा माना जाता है कि यह वही स्थान है जहां सीता ने अपनी पवित्रता साबित करने के बाद उस कुंड में स्नान किया था जिसने उनकी गर्मी को अवशोषित कर लिया था।
- ❖ **सीतामढी:** यहां जानकी मंदिर स्थित है, जिसे सीता का जन्मस्थान माना जाता है।
- ❖ मधेपुरा में सिंहेश्वर स्थान: इसे भगवान शिव का निवास स्थान माना जाता है।

#### पारिस्थितिक पर्यटन सर्किट

बिहार अपने प्रचुर वन्य जीवन और प्राकृतिक सुंदरता के कारण एक लोकप्रिय पारिस्थितिक पर्यटन स्थल है। इको सर्किट में शानदार बड़े जानवरों को देखने से लेकर बिहार की प्राकृतिक सुंदरता को देखने तक सब कुछ शामिल है। इस

सर्किट के दौरे का उद्देश्य आगंतुकों को इन पारिस्थितिक रूप से कमजोर स्थानों, स्थानीय आबादी और संरक्षण गतिविधियों के बारे में सूचित करना है।

- ❖ **घोरा कटोरा झील:** राजगीर के पास एक खूबसूरत जगह है। झील का आकार घोड़े जैसा है और झील तीन तरफ से पहाड़ों से घिरी हुई है। यह वर्ल्ड पीस पैगोडा के पास स्थित है।

- ❖ **कैमूर वन्यजीव अभयारण्य:** यह वन्यजीव अभयारण्य बिहार के दक्षिण-पश्चिमी भाग में रोहतास पठार और कैमूर रेंज के कैमूर पठार में स्थित है। इस अभयारण्य में बंगाल टाइगर भी पाए जाते हैं। अन्य महत्वपूर्ण स्थान हैं

- करकट जलप्रपात

- तेलहर झरना

- अनुपम झील

#### • भीमबांध वन्यजीव अभयारण्य:

- ❖ भीमबांध वन्यजीव अभयारण्य मुंगेर जिले के दक्षिण पश्चिम में स्थित है।

- ❖ भीमबांध गंगा नदी के दक्षिण में, छोटा नागपुर पठार के उत्तरी किनारे पर और संधाल परगना के पश्चिम में स्थित है।

- ❖ यह चारों तरफ से घनी आबादी वाले गैर-वानिकी क्षेत्रों से घिरा हुआ है। घाटी के हिस्सों में और तलहटी में कई गर्म झरने हैं जिनमें से सबसे अच्छे भीमबांध, सीता कुंड और ऋषि कुंड हैं।

- ❖ ऐसे कई गर्म पानी के झरने हैं जो पूरे वर्ष लगभग समान तापमान बनाए रखते हैं।

- ❖ यह ज़मीन पर रहने वाले जानवरों की तुलना में पक्षियों के लिए अधिक प्रसिद्ध है।

- **विक्रमशिला गंगा डॉल्फिन अभयारण्य:** यह अभयारण्य भागलपुर में स्थित है, जो

सुल्तानगंज से कहलगांव तक फैला हुआ है। यह गंगा डॉल्फिन के लिए एकमात्र संरक्षित क्षेत्र है।

- **ककोलत जलप्रपात:** 160 फुट ऊंचा ककोलत जलप्रपात झारखंड सीमा के करीब नवादा जिले में स्थित है।

### बिहार में लोकप्रिय साइटें

कुछ स्थल हैं जो बिहार राज्य में बहुत प्रसिद्ध हैं:

- **गोलघर:** लॉर्ड वॉरेन हेस्टिंग्स के निर्देशन में कैप्टन जॉन गार्स्टिन ने पटना में गोलघर का निर्माण कराया।
- **राजगीर:** मगध साम्राज्य की प्राचीन राजधानी।
- लौरिया नंदनगढ़, रामपुरवा और लौरिया अरेराज में मौर्य स्तंभ।
- कुम्हारार (पटना) में मगध साम्राज्य का अस्सी स्तंभों वाला हॉल।

- **दीदारगंज यक्षिणी:** पटना संग्रहालय की सबसे कीमती संपत्तियों में से एक।

- **खुदाबख्श लाइब्रेरी:** सेंट्रल पटना खुदाबख्श लाइब्रेरी का घर है, जो एशिया की सबसे बड़ी लाइब्रेरी में से एक है।

- **किला-ए-रोहतास:** शेरशाह सूरी ने 1541 में रोहतास जिले में किला-ए-रोहतास का निर्माण कराया।

- **नालन्दा विश्वविद्यालय:** प्रसिद्ध प्राचीन विश्वविद्यालय नालन्दा में स्थित है।

यह सब बिहार के पर्यटन क्षेत्र के बारे में था।

